अध्याय - 03

जनसंख्या संघटन

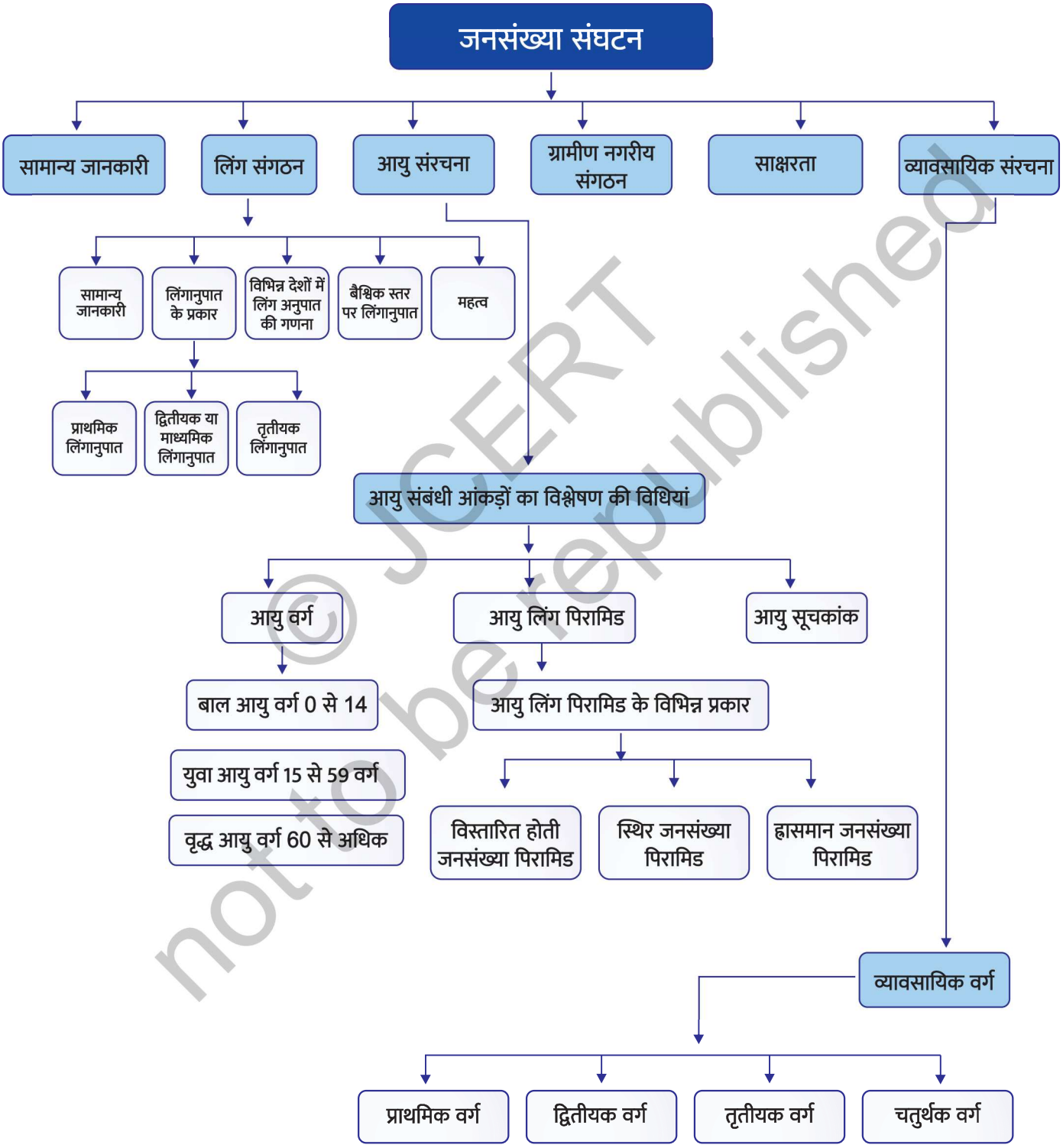

© JCERT not to be republished

सामान्य जानकारी

- किसी भी देश या प्रदेश की जनसंख्या के बारे में अध्ययन का मुख्य स्तंभ माना जाता है।
- इसी जनांकिकीय संरचना के नाम से भी जाना जाता है।
- इसके अंतर्गत मानव का गुणात्मक तथा मात्रात्मक पहलुओं की जैसे लिंगानुपात, आयु, साक्षरता, व्यवसाय आदि का अध्ययन किया जाता है।

जनसंख्या संघटन के प्रमुख घटक

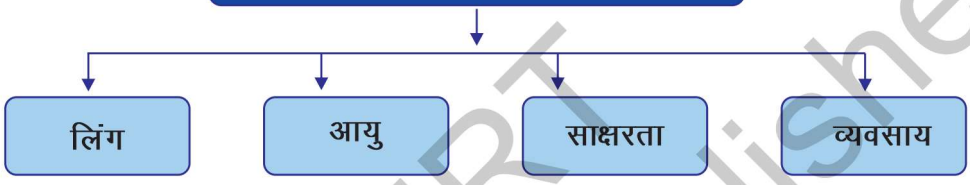

© JCERT not to be republished

लिंग संगठन

सामान्य जानकारी

- स्त्रियों और पुरुषों की संख्या किसी देश की महत्वपूर्ण जनांकिकीय विशेषता होती है।
- एक निश्चित समय पर समाज में पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता की सीमा को मापने के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक संकेतक है।
- यह विभिन्न प्रकार की योजनाओं और अन्य जनसांख्यिकीय विशेषताओं जैसे मृत्यु दर, प्रवास, वैवाहिक स्थिति, आर्थिक विशेषताओं आदि के विश्लेषण के लिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है।

लिंगानुपात के प्रकार

- मुख्यत लिंगानुपात को तीन भागों में वर्गीकृत किया गया है।
  - प्राथमिक लिंगानुपात
    - गर्भावस्था में अनुमानित लिंगानुपात को कहा जाता है।
  - द्वितीयक या माध्यमिक लिंगानुपात
    - जन्म के समय लिंगानुपात को कहा जाता है।
  - तृतीयक लिंगानुपात
    - इसे वयस्क लिंगानुपात (Adult Sex Ratio) भी कहा जाता है। • जनगणना के समय की लिंगानुपात को तृतीयक लिंगानुपात कहा जाता है।

विभिन्न देशों में लिंग अनुपात की गणना

- A. भारत

  भारत में लिंगानुपात निम्नलिखित सूत्र द्वारा गणना की जाती है।
  - स्त्रियों की संख्या / पुरुषों की संख्या * 1000 • अथवा प्रति हजार पुरुषों में स्त्रियों की संख्या
- B. कुछ देशों में लिंगानुपात की गणना निम्नलिखित सूत्र द्वारा निर्णय किया जाता है।
  - पुरुष जनसंख्या / स्त्री जनसंख्या *100

बैश्विक स्तर पर लिंगानुपात

- बैश्विक स्तर पर लिंगानुपात प्रति 100 स्त्रियों पर पुरुषों की संख्या के आधार पर निकाला जाता है।
- विश्व की जनसंख्या का औसत लिंगानुपात प्रति 100 स्त्रियों पर 102 पुरुष है।
- विश्व में उच्चतम लिंगानुपात लेटविया में दर्ज किया गया है जहां प्रति स्त्रियों पर 85 पुरुष है।
- विश्व की निम्नतम लिंगानुपात संयुक्त अरब अमीरात में दर्ज किया गया है जहां प्रति 100 स्त्रियों पर 311 पुरुष है।
- संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा सूचीबद्ध 139 देशों में लिंगानुपात स्त्रियों के लिए अनुकूल है जबकि से 72 देशों में यह उनके लिए प्रतिकूल है।
- सामान्यत: एशिया में लिंगानुपात निम्न है।
- चीन भारत सऊदी अरब पाकिस्तान व अफगानिस्तान जैसे देशों में लिंगानुपात और भी निम्न है।
- दूसरी ओर रूस सहित यूरोप के एक बड़े भाग में पुरुष अल्प संख्या में है।
- यूरोप के अनेक देशों में पुरुष की कमी वहां स्त्रियों की बेहतर स्थिति तथा भूतकाल में विश्व के विभिन्न भागों में अत्यधिक पुरुष प्रवास के कारण है।

महत्व

- लिंगानुपात किसी देश में स्त्रियों की स्थिति के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना होती हैं।
- लिंगानुपात किसे प्रदेश की सामाजिक आर्थिक विकास के सूचक है जो प्रादेशिक विश्लेषण के लिए उपयोगी है।
- लिंगानुपात के अध्ययन से किसी देश की जनसंख्या वृद्धि दर लैंगिक समानता एवं जीवन प्रत्याशा जैसे जनांकिकीय की समग्र जानकारी प्राप्त होती है।
- जिन प्रदेशों में लैंगिक भेदभाव अधिक होती हैं वहां लिंगानुपात निश्चित रूप से स्त्रियों के प्रतिकूल होता है।

© JCERT not to be republished

आयु संरचना

- किसी देश की जनसंख्या को विभिन्न आयु वर्गो में वर्गीकृत कर प्रदर्शित करता है।
- यह जनसंख्या संगठन का महत्वपूर्ण सूचक होता है।
- किसी प्रदेश की जनसंख्या की जैविक शारीरिक विशेषताओं को दर्शाती है।
- आयु मानव के क्षमता का सूचक होता है।

आयु संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण की विधियां

आयु वर्ग

वैश्विक स्तर पर जनसंख्या की आयु संरचना में 3 आयु वर्ग होते हैं।

बाल आयु वर्ग 0 से 14

- यह वर्ग आर्थिक रूप से अन उत्पादक होता है।
- भोजन वस्त्र मकान स्वास्थ्य शिक्षा आदि के लिए युवा वर्जन संख्या पर निर्भर रहता है।
- विकासशील देशों में इस आयु वर्ग की जनसंख्या अधिक होती है।

युबा आयु वर्ग 15 से 59 वर्ग

- आर्थिक रूप से उत्पादन सील तथा जैविक रूप से होती है।
- इस आयु वर्ग के ऊपर बाल वर्ग तथा वर्ग की जनसंख्या की पालन पोषण भार होता है।
- इस कार्यशील जनसंख्या कहा जाता है।
- जिन देशों में इस वर्ग की जनसंख्या अधिक होती हैं उन्हें आर्थिक दृष्टि से लाभकारी माना जाता है क्योंकि यह आर्थिक कार्यों में योगदान देते हैं जिससे देश की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलता है।

वृद्ध आयु वर्ग 60 से अधिक

- विकसित देशों में 64 वर्ष यह उससे अधिक सदा विकासशील देशों में 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति को वित्त माना जाता है।
- आर्थिक रूप से यह वर्ग की जनसंख्या को ही अन उत्पादक कहा जाता है।
- इस वर्ग की जनसंख्या की स्वास्थ्य पर अधिक खर्च होता है।
- यह युवा आयु वर्ग के ऊपर निर्भर रहते हैं अतः इस निर्भर सील जनसंख्या भी कहा जाता है।
- विकसित देशों में 64 वर्ष यह उससे अधिक सदा विकासशील देशों में 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति को वित्त माना जाता है।

आयु लिंग पिरामिड

- किसी निश्चित क्षेत्र की जनसंख्या को आयु लिंग के आधार पर दर्शाए जाने के बाद एक पिरामिड आकार के रेखाचित्र उत्पन्न होती है जिसे आयु लिंग पिरामिड कहा जाता है।
- इसमें विभिन्न आयु वर्ग में तीनों तथा पुरुषों की संख्या को दर्शाया जाता है।
- जनसंख्या पिरामिड की आकृति जनसंख्या की विशेषताओं को परिलक्षित करती हैं।
- इस पिरामिड के बाएं भाग में पुरुष तथा दाएं भाग स्त्री जनसंख्या को दर्शाया जाता है।

आयु लिंग पिरामिड के विभिन्न प्रकार

विस्तारित होती जनसंख्या पिरामिड

- इस प्रकार पिरामिड का आधार विस्तृत तथा शीर्ष भाग संकीर्ण होता है जो अधिक जन्म दर तथा अधिक मृत्यु दर को प्रदर्शित करता है।
- जन्म दर अधिक होने के कारण यहां 0 से 14 वर्ष आयु वर्ग की जनसंख्या अधिक होती हैं।
- कथा मृत्यु दर अधिक होने के कारण 60 वर्ष से अधिक वृद्धि जनसंख्या कम होती है।
- इस प्रकार पिरामिड किसी देश का विकसित अर्थव्यवस्था तथा स्वास्थ्य व्यवस्था को दर्शाता है।
- इस प्रकार पिरामिड त्रिभुजाकार होता है।
- इस प्रकार पिरामिड अल्प विकसित देशों में पाए जाते हैं जैसे नाइजीरिया, बांग्लादेश, मैक्सिको।

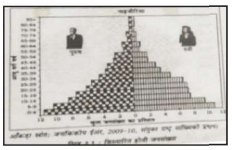

स्थिर जनसंख्या पिरामिड

- इस प्रकार जनसंख्या पिरामिड में जन्म दर और मृत्यु दर समान होने के कारण जनसंख्या तीर हो जाती है।
- इसकी आकृति घंटी के समान होती है जो शीर्ष की ओर शुंडाकार होता है।
- ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या पिरामिड इस प्रकार है।

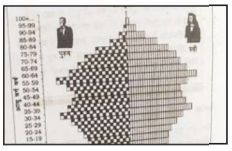

ह्रासमान जनसंख्या पिरामिड

- इस प्रकार जनसंख्या पिरामिड का आधार संकीर्ण होता है तथा इसका शीर्ष शुंडाकार होता है।
- इसमें जन्म दर तथा मृत्यु दर निम्न होने के कारण जनसंख्या वृद्धि 0 तथा ऋणात्मक होती है।
- इस प्रकार पिरामिड विकसित देशों की जनसंख्या में बनती है जैसे जापान।

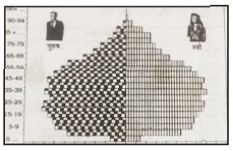

आयु सूचकांक

- आयु सूचकांक की गणना मानव शक्ति नियोजन, जनसंख्या वृद्धि का विश्लेषण, प्रवास विश्लेषण इत्यादि हेतु महत्वपूर्ण होता है।

© JCERT not to be republished

ग्रामीण नगरीय संगठन

- निवास के आधार पर जनसंख्या को ग्रामीण तथा नगरीय इन दो भागों में बांटा गया है।
- ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या की अलग-अलग विशेषताएं होती हैं जैसे आयु लिंग संगठन,जनसंख्या घनत्व, जीवन पद्धति तथा विकास के स्तर अलग-अलग होते हैं।
- सामान्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोग प्राथमिक क्रियाओं में संलग्न में होते हैं नगरीय क्षेत्रों में लोग गैर प्राथमिक कार्यों में संलग्न होते हैं।
- कनाडा और इंग्लैंड जैसे पश्चिमी यूरोपीय देशों में ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों की लिंगानुपात में अंतर अफ्रीकी और एशियाई देशों क्रमशः जिंबाब्वे तथा नेपाल के ग्रामीण नगरीय लिंगानुपात के विपरीत पाया जाता है।
- पश्चिमी देशों की ग्रामीण क्षेत्रों में स्त्रियों की अपेक्षा पुरुषों की संख्या अधिक पाई जाती है वही नगरीय क्षेत्रों में स्त्रियों की संख्या पुरुषों की अपेक्षा अधिक पाए जाते हैं नेपाल भारत पाकिस्तान जैसे देशों की स्थिति इससे विपरीत है।
- नगरीय क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों के अधिक संभावनाओं के कारण ग्रामीण क्षेत्रों से महिलाओं के आगमन के परिणाम स्वरूप यूरोप कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका के नगरीय क्षेत्रों में महिलाओं की अधिकता पाई जाती है।
- विकसित देशों में कृषि अधिक मशीनीकृत है और वहां पुरुष प्रधान व्यवसाय पाया जाता है इसके विपरीत एशिया के नगरीय क्षेत्रों में पुरुष प्रधान प्रवास के कारण लिंगानुपात भी पुरुषों के अनुकूल पाया जाता है।
- भारत जैसे देशों में ग्रामीण क्षेत्रों की कृषि कार्यों में महिलाओं की सहभागिता अधिक होती है नगरों में आवास की कमी रहन-सहन की उच्च लागत रोजगार के अवसरों की कमी और सुरक्षा की कमी महिलाओं के गांव से नगरीय क्षेत्रों में प्रवास को रोकते हैं।

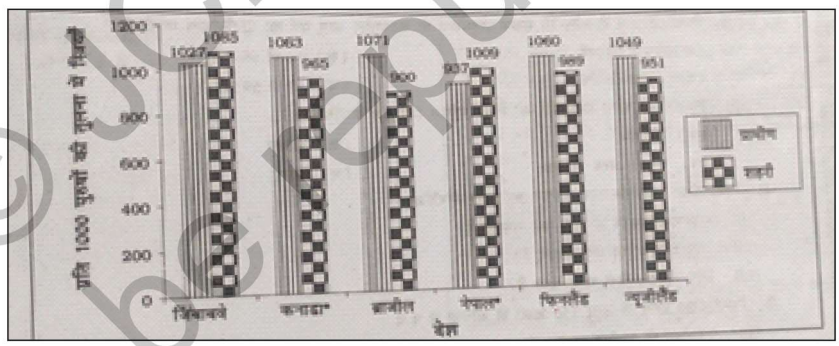

साक्षरता

- किसी देश में साक्षर जनसंख्या का अनुपात उसके सामाजिक आर्थिक विकास का सूचक होता है।
- **साक्षरता दर:-**
  भारत में 7 वर्ष से अधिक आयु वाली जनसंख्या के उस प्रतिशत को सूचित करती हैं जो पढ़ लिख सकता है और जिसमें समझ के साथ अंकगणितीय परिकलन करने की योग्यता होती है।

© JCERT not to be republished

व्यावसायिक संरचना

- जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना का तात्पर्य कुल कार्यशील जनसंख्या का विभिन्न व्यावसायिक वर्गों में वितरण है।
- 15-59 वर्ष की आयु वर्ग के सभी व्यक्ति सक्रिय जनसंख्या का कार्यशील जनसंख्या की श्रेणी में आते हैं।
- कार्यशील जनसंख्या के अनुपात किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के स्तरों का एक अच्छा सूचक है।
- आर्थिक विकास की प्रारंभिक अवस्था में अर्थात जहां आर्थिक विकास कम हुआ है वहां की अधिकांश जनसंख्या प्राथमिक व्यवसायों में कार्यरत होती है।

व्यावसायिक वर्ग

प्राथमिक वर्ग
- कृषि
- मतस्य
- आखेट
- बानिकी

द्वितीयक वर्ग
- निर्माण उद्योग
- शक्ति उत्पादन

तृतीयक वर्ग
- परिवहन
- संचार
- व्यापार
- सेवाएँ

चतुर्थक वर्ग
- प्रशासनिक निर्णय
- चिंतन
- शोध

© JCERT not to be republished

विश्व के प्रमुख देशों में विभिन्न आयु वर्ग की जनसंख्या
(प्रतिशत में 2015)

प्रमुख देश	0-14 वर्ष	15-59 वर्ष	60 वर्ष	80 वर्ष
चीन	17.2	67.6	15.2	1.6
जापान	12.9	54.1	33.1	7.8
भारत	28.8	62.3	7.7	0.7
अमेरिका	19.0	60.4	20.7	3.8
ब्रिटेन	17.8	59.2	23.0	4.7
जर्मनी	12.9	59.5	27.6	5.7
फिनलैण्ड	16.3	56.5	27.2	5.1
मैक्सिको	27.6	62.8	7.9	1.5
मिस्र	33.2	58.9	7.9	0.8
इथियोपिया	41.4	53.3	5.2	0.5
नाइजीरिया	44.0	51.5	4.5	0.2
नाइजर	50.5	45.3	4.2	0.2
सं अरब अमीरात	13.9	83.7	2.3	0.1
विश्व	26.1	61.7	12.3	1.7

न्यूनतम पुरुष एवं महिला साक्षरता वाले देश (2015)

कुल साक्षरता % में	पुरुष साक्षरता % में	पुरुष साक्षरता % में
नाइजर (19.1)	नाइजर (27.3)	नाइजर (11.0)
गिनी (30.4)	गिनी (38.1)	गिनी (22.8)
दक्षिणी सूडान (31.9)	दक्षिणी सूडान (38.6)	अफगानिस्तान (24.2)
बुर्किनाफासो (36.0)	बुर्किनाफासो (43.0)	मध्य अफ्रीकी (24.4) गणराज्य
मध्य अफ्रीकी गणराज्य (36.8)	माली (48.2)	दक्षिणी सूडान (25.3)

© JCERT not to be republished